न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)

वाद सं0 : 234 सन 2019

अनवान :–

1. प्रवीन कुमार पुत्र मेहन्द्रकुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों वाली ढाणी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. सुरेन्द्र कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों की ढाणी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का
2. कमलादेवी पत्नी महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारो की ढाणी तहसील रावतसर हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का
3. पुनम पुत्री महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों की ढाणी तहसील रावतसर हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का तहसील नोहर।
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री कुलदीप खूडिया अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 03/03/2020

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा कानसर के खाता संख्या 414/49 के खसरा न0 1408/0.8090 , खसरा न0 1409/6.4490 कुल 7.2580हैक एवं खाता संख्या 415/99 के खसरा न0 1406 की 2.5800हैक व खसरा न0 1407 की 5.5260हैक कुल 8.1060हैक भूमि वादी के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

वादी के पिता महेन्द्र कुमार पुत्र बिरबलराम का देहान्त हो चुका है जिसके जायज व कानुनी वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 ,ही है जो महेन्द्र कुमार पुत्र बिरबलराम के नाम से दर्ज भूमि के बराबर के हकदार है ।

प्रतिवादी संख्या 2 वादी की माता है एवं प्रतिवादी संख्या 3 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 3 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 बहिब के खातेदार काश्तकार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 स्वय न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ने निवेदन किया की वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से दर्ज है जिनका देहान्त हो चुका है जिसके जायज व कानुनी वारिसान वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 ही है प्रतिवादी संख्या 2 ,3 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि को अपने भाईयों/पुत्रों वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के

(राजस्व)
नोहर

पक्ष में त्याग किया जा चुका है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। ईकबाल दावा तस्दीक किया जाकर शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 4 पेरोकार राज ने जबाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जबाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा कानसर के खाता संख्या 414/49 के खसरा न0 1408/0.8090 , खसरा न0 1409/6.4490 कुल 7.2580हैक एवं खाता संख्या 415/99 के खसरा न0 1406 की 2.5800हैक व खसरा न0 1407 की 5.5260हैक कुल 8.1060हैक भूमि वादी के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

वादी के पिता महेन्द्र कुमार पुत्र बिरबलराम का देहान्त हो चुका है जिसके जायज व कानुनी वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 ,ही है जो महेन्द्र कुमार पुत्र बिरबलराम के नाम से दर्ज भूमि के बराबर के हकदार है ।

प्रतिवादी संख्या 2 वादी की माता है एवं प्रतिवादी संख्या 3 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 3 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा कानसर के खाता संख्या 414/49 के खसरा न0 1408/0.8090 , खसरा न0 1409/6.4490 कुल 7.2580हैक एवं खाता संख्या 415/99 के खसरा न0 1406 की 2.5800हैक व खसरा न0 1407 की 5.5260हैक कुल 8.1060हैक भूमि वादी के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

वर्तमान जमाबन्दी रोही मौजा कानसर के अनुसार वाद भूमि महेन्द्र पुत्र बिरबलराम के नाम से दर्ज है अर्थात वाद भूमि वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के नाम से दर्ज है वादी के पिता महेन्द्र पुत्र बिरबलराम का देहान्त हो चुका है जिसके जायज वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 है जो मृत्यू प्रमाण पत्र एवं वारिस प्रमाण पत्र से पूर्णत्या साबित है।

वादी के पिता महेन्द्र कुमार पुत्र बिरबलराम के देहान्त होने पर उनके नाम से दर्ज भूमि के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 बराबर के हकदार है।

वादी का कथन है कि वादी की माता प्रतिवादी सख्या 2 है एवं प्रतिवादी संख्या 3 वादी की बहन है ने अपने हकों को त्याग वादी के पक्ष में किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 2 ,3 स्वय न्यायालय में उपस्थित होकर वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 के पक्ष में त्याग किया जा चुका है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
कोलायत

के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के सामर्थन में ईकबाल भी पेश किया जा चुका है जो तस्दीक किया जाकर शमिल मिसल किया जा चुका है।

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 2 ,3 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प डयूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा कानसर के खाता संख्या 414/49 के खसरा न0 1408/0.8090 , खसरा न0 1409/6.4490 कुल 7.2580हैक एवं खाता संख्या 415/99 के खसरा न0 1406 की 2.5800हैक व खसरा न0 1407 की 5.5260हैक कुल 8. 1060हैक भूमि वादी के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज है महेन्द्र पुत्र बिरबलराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 को बहिब का खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो वार्द रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 3/03/2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. प्रवीन कुमार पुत्र मेहन्द्रकुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों वाली ढाणी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1 सुरेन्द्र कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों की ढाणी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का
2. कमलादेवी पत्नी महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारो की ढाणी तहसील रावतसर हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का
3. पुनम पुत्री महेन्द्र कुमार जाति कुम्हार निवासी कुम्हारों की ढाणी तहसील रावतसर हाल निवासी निहाल खेडा तहसील व जिला फाजिल्का तहसील नोहर।
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 234 सन 2019 निर्णय दिनांक– 3/3/2020

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा कानसर के खाता संख्या 414/49 के खसरा न0 1408/0.8090, खसरा न0 1409/6.4490 कुल 7.2580हैक्ट एवं खाता संख्या 415/99 के खसरा न0 1406 की 2.5800हैक व खसरा न0 1407 की 5.5260हैक्ट कुल 8.1060हैक्ट भूमि वादी के पिता महेन्द्र कुमार के नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज है महेन्द्र पुत्र बिरबलराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 को बहिब का खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो वाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 3/3/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)